याद रहेगी ये
मुलाकात

सुबह जब हाथ में आता है अखबार तो अक्सर बच्चों के लिए और छात्रों के लिए कई सवाल भी साथ लेकर आता है। खबरें कैसे बनती हैं? अखबार छपता कैसे है? कितना वक्त लगता है और फिर लोगों तक पहुंचता कैसे है?

लेकिन अगर अखबार के दफ्तर में और प्रिंटिंग प्रेस में पहुंच जाते हैं बच्चे तो सवाल पीछे रह जाते हैं। फिर मन में, और दोस्तों को बताने के लिए रहती है एक ही बात...

अरे! मैंने तो अखबार को छपते हुए देखा है !

केआईपीएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने अमर उजाला कार्यालय का भ्रमण कर अखबार बनने से छपने तक की प्रक्रिया जानी। इस कार्यक्रम में शिक्षक डॉ. संजय कुमार गुप्ता, कंचन यादव, राहुल यादव आदि मौजूद रहे। अमर उजाला